This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1303**

Unique Paper Code : **2303102005**

Name of the Paper : **Sociology of Social Movements (DSE)**

Name of the Course : **B.A. Sociology NEP-UGCF**

Semester : **IV**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *four* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Explain the comparative "invisibility" of social movements, with respect to the intersection of culture, practice and politics in social movement research and anthropological research.

सामाजिक आंदोलन अनुसंधान और मानवविज्ञान अनुसंधान में संस्कृति, प्रथा और राजनीति के प्रतिच्छेदन के संदर्भ में, सामाजिक आंदोलनों की तुलनात्मक 'अदृश्यता' की व्याख्या कीजिए।

2. Write an essay on the New Social Movements theory, highlighting the paradigm shifts post 1960s.

नई सामाजिक आंदोलनों के सिद्धांत पर एक निबंध लिखिए, जिसमें 1960 के दशक के बाद के प्रतिमान बदलावों को उजागर किया गया हो।

3. Discuss with an appropriate case study the factors that mediate the relationship between peoples' protest and the state.

लोगों के विरोध और राज्य के बीच के संबंध को मध्यस्थता करने वाले कारकों पर एक उपयुक्त केस स्टडी के साथ चर्चा कीजिए।

4. Discuss, with the help of an empirical study, how state structures and peoples perception influence the success and failures of a social movement ?

एक उदाहरण सहित चर्चा कीजिए कि राज्य संरचनाएँ और लोगों की धारणा सामाजिक आंदोलन की सफलता और असफलताओं को कैसे प्रभावित करती हैं ?

5. Explain the significance of the notion of "symbolic challenges" of contemporary social movements, with suitable examples.

समकालीन सामाजिक आंदोलनों की "प्रतीकात्मक चुनौतियों" की धारणा का महत्व उपयुक्त उदाहरणों के साथ समझाइए।

6. What are the different ways in which research on grassroot democracy and social movements interact ?

जनस्तरीय लोकतंत्र और सामाजिक आंदोलनों पर किए जाने वाले शोध किस-किस तरह से परस्पर संवाद करते हैं ?

7. Discuss the role of organizations in shaping and re-conceptualising women's movement in India.

भारत में महिलाओं के आंदोलनों को आकार देने और पुनः परिभाषित करने में संगठनों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।